>

Title: Need to fix the remunerative Minimum Support Price for food grains in the country.

श्री इज्यराज सिंह (कोटा): देश के किसान खेती बाड़ी के कार्य करने में जो साधन प्रयोग में ला रहे हैं उनका मूल्य वे ज्यादा दे रहे हैं पहले यूरिया 185 रूपये का मिलता था वह बढ़कर आज 250 से 275 रूपये के लगभग हो गया है एवं डीएपी जो गत वर्ष 550 के करीब मिलता था वह आज 900 से 1000 रूपये के बीच मिल रहा है एवं खाद पर मिलने वाली सब्सिडी भी बंद हो गई। कई राज्यों में बिजली के दाम बढ़ गए और डीजल भी पिछले साल से ज्यादा महंगा हो गया जिसके कारण उनकी सिंचाई लागत भी बढ़ चुकी है। मजदूरी की दर जो गत साल 100 के करीब था आज ये बढ़कर 150 रूपये से 200 रूपये के बीच हो गई है और ट्रांसपोर्ट पर किसान का खर्चा गत साल की अपेक्षा इस साल ज्यादा है। कई राज्यों ने किसानों की लागत बढ़ने से विभिन्न खाद्यान्नों के न्यूनतम समर्थन मूल्य को बढ़ाने का अनुरोध किया है। दूसरी ओर बाजार में जो खाद्यान्न मूल्य है वह न्यूनतम समर्थन मूल्य से बहुत ज्यादा है जिसके कारण किसान अपने खाद्यान्न को व्यापारियों को बेच रहे हैं।

सरकार से अनुरोध है कि किसानों के खाद्यान्न का न्यूनतम समर्थन मूल्य पैदावार की लागत से ज्यादा घोषित किया जाए जिससे किसान खेती बाड़ी कार्य में रूचि ले सके।